ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-10-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-10-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-10-26	2024-10-27	2024-10-28	2024-10-29	2024-10-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	34.0	35.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	18.0	18.0	19.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	4	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	110	140	140	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (18 से 24 अक्टूबर) क्षेत्र में कोई वर्षा नहीं हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.5 से 33.1oC और 16.8 से 20.3oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 71-90% और 38-65% के बीच रही, जबकि हवा दक्षिण-पश्चिम-दक्षिण, उत्तर, पूर्व और उत्तर-पश्चिम से 1.4-3.1 किमी प्रति घंटे की गति से बह रही थी। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन मौसम साफ रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार, 25-29 अक्टूबर के बीच कोई वर्षा नहीं होगी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0-35.0oC और 18.0-19.0oC रहने की उम्मीद है। हवा 4 किमी प्रति घंटे की गति से पूर्व-दक्षिणपूर्व और दक्षिण-पूर्व-दक्षिण से बहने की उम्मीद है। 25 से 29 अक्टूबर तक शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.35-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। 25.10.2024 से 31.10.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य से ऊपर अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, मौसम साफ रहने का अनुमान है, इसलिए कटी हुई फसल को अच्छी तरह से सुखाया और भण्डारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	चावल के दानों को अच्छी तरह से कूटकर भण्डारित किया जाना चाहिए।
गन्ना	काटे गए गन्ने का उचित भंडारण करें तथा शरदकालीन बुवाई पूरी कर लें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तिल	फसल की कटाई महीने के अंत तक कर लेनी चाहिए तथा मड़ाई के बाद बीज अलग कर लेना चाहिए।
चना	राइजोबियम एवं पी.एस.बी. उपचारित चना किस्मों की बुवाई करनी चाहिए। चना किस्म एवं बीज दर: पूसा-372, पूसा 329, पूसा-362, पूसा-391, पंक काबुली चना 1 आदि 60-80 किग्रा/हेक्टेयर की दर से।
मसूर की दाल	राइजोबियम एवं पी.एस.बी. उपचारित मसूर की किस्मों की बुवाई करनी चाहिए। मसूर की किस्में एवं बीज दर: जे.एल. 1, पंत मसूर-4, नरेन्द्र मसूर-1, पंत मसूर-7, पंत मसूर-6, पंत मसूर-8, शेखर मसूर 3 आदि 80-100 किग्रा./हेक्टेयर की दर से।
फील्ड पी	राइजोबियम और पीएसबी उपचारित मटर की किस्मों की बुवाई करनी चाहिए। मटर की किस्में: डीएमआर-7 (अलंकार), डीडीआर-23 (पूसा प्रभात), डीडीआर-27 (पूसा पन्ना), पंत मटर-25, पंत मटर-42, आदि 80-100 किग्रा/हेक्टेयर की दर से।
रेपसीड	तोरिया की बुवाई 4-5 सेमी की गहराई पर तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 सेमी पर की जा सकती है।
सरसों	सरसों की बुवाई 3-4 सेमी की गहराई पर 4-5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 सेमी पर की जा सकती है।
गेहूँ	गेहूं के उपचारित बीजों का उपयोग बुवाई के लिए किया जा सकता है।
बरसीम	बुवाई के लिए उच्च चारा उत्पादन वाली किस्मों जैसे यूपीबी-110, मस्कवी, पूसा जयंत, बरदान के राइजोबियम उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मूली	मूली की जापानी व्हाइट, हिल क्रीन और पूसा मृदुला किस्मों की बुवाई करनी चाहिए। बीज को कैप्टान 2 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।
गाजर	गाजर की किस्मों पूसा रुधिरा, पूसा केसर की बुवाई करनी चाहिए। बीज को कैप्टान 2 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।
पालक	पालक की किस्मों को पालक ग्रीन, पूसा भारती के रूप में बोना चाहिए।
मेंथी	मेथी की किस्मों को पूसा कसूरी के रूप में बोना चाहिए।
धनिया	धनिया की किस्मों को पंत हरीतिमा के रूप में बोना चाहिए।
क्नोल खोल	नोल खोल की उपचारित किस्मों सफेद वियना, बैंगनी वियना में किया जाना चाहिए।
आलू	इस महीने में कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी आदि आलू की किस्मो की बुआई की जा सकती है।
खीरा	कद्दूवर्गीय फसल को बिक्री के लिए काटा जाना चाहिए तथा सफेद मक्खी की नियमित जांच की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को गांठदार त्वचा रोग के प्रसार से बचाया जाना चाहिए तथा इसके विरुद्ध टीका लगाया जाना चाहिए।
गाय	पशुओं को गांठदार त्वचा रोग के प्रसार से बचाया जाना चाहिए तथा इसके विरुद्ध टीका लगाया जाना चाहिए।